विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के संदर्भ में अध्ययन

शिक्षाशास्त्र विषय में पी-एच. डी. उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध की प्रस्तावित रूपरेखा

शोधार्थिनी

अंजली तिवारी

सह-शोध निर्देशिका

डॉ. शालिनी वर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर

शोध निर्देशक

प्रो. एन.पी.एस. चन्देल

फाउंडेशन ऑफ़ एजुकेशन विभाग, शिक्षा संकाय

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)

दयालबाग, आगरा - 282005

2025

1.0 प्रस्तावना

शिक्षा एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया है जो व्यक्तियों को ज्ञान, समझ और जीवन अनुभव प्रदान करती है। इसके साथ ही, यह आवश्यक कौशल और सकारात्मक सोच विकसित करती है। शिक्षा व्यक्तियों को सक्षम, जिज्ञासु और स्वतंत्र बनाने में सहायता प्रदान करती है। इसलिए, यह स्पष्ट है कि शिक्षा एक सभ्य समाज का आधार है।

सीखना और शिक्षा मानवीय विकास का केंद्र बिंदु है। शिक्षा की प्रणाली पूरी तरह से शिक्षण और सीखने के तरीकों पर निर्भर करती है। सीखना एवं शिक्षा में से सीखना अधिक महत्वपूर्ण प्रतीत होता है क्योंकि यह सिर्फ यह नहीं देखता कि शिक्षक क्या सिखाते है बल्कि यह भी देखता है कि छात्र उस ज्ञान को कैसे ग्रहण करते है।

20 वीं सदी की शुरुआत में शिक्षण को शिक्षक से छात्र तक ज्ञान के हस्तांतरण के रूप में देखा जाता था। शिक्षण के पारंपरिक तरीके कठोर, सख्त और एक जैसे थे। शिक्षकों के पास व्याख्यान विधि के अलावा बहुत कम अन्य अनुदेशात्मक उपकरण होते थे। छात्रों की व्यक्तिगत क्षमताओं और सीखने के तरीकों को कम महत्व दिया जाता था। इसका परिणाम यह होता था कि छात्रों को सीखने में मुश्किल होती थी, इसी कारण वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते थे और सीखने में उनकी रुचि कम हो जाती थी (रस्टन,1999)।

गार्डनर (1983) के अनुसार, व्यक्तियों की बुद्धिमत्ता का स्तर भिन्न-भिन्न होता है और शिक्षण प्रक्रिया में वे एक-दूसरे के साथ संवाद करते हुए प्रतिस्पर्धा भी करते है। लार्किन और बुंडनी (2005) के अनुसार, शिक्षण शैली जैविक एवं विकासात्मक रूप से निर्धारित व्यक्तिगत विशेषताओं का समूह है जो विभिन्न व्यक्तियों के लिए शिक्षण एवं अध्ययन की प्रभावशीलता को भिन्न बनाता है। बोकहरी और ज़फर (2019) के अनुसार, अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता शिक्षार्थी की व्यक्तिगत अधिगम शैली से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित होती है।

अधिगम प्रक्रियाओं और निर्णय लेने में व्यक्तिगत विभिन्नताओं को स्पष्ट किया है। सीखने की शैलियाँ सूचना की व्याख्या, मूल्यांकन एवं प्रसंस्करण में व्यक्तिगत विविधता को संदर्भित करती है (डी राड और शौवेनबर्ग, 1996; विलकॉक्ससन और प्रोसर, 1996; लोगन और थॉमस, 2002)।

फ्लेमिंग (2001) के अनुसार, वार्क (VARK) अधिगम शैली प्राथमिकताओं की श्रेणी में आता है क्योंकि यह संज्ञानात्मक शैली मॉडल है जो व्यक्तियों की सिखाने की प्राथमिकताओं को विभाजित करता है। यह मॉडल दृश्य, श्रवण, पढ़ने/लिखने और क्रियात्मक शैली के माध्यम से जानकारी ग्रहण करने और संसाधित करने के व्यक्तिगत तरीकों पर केंद्रित है।
कोल्क्किट (2009) के अनुसार, व्यक्तित्व किसी व्यक्ति के स्वभाव को दर्शाता है, जबकि क्षमता उसकी कार्य करने की क्षमता को। मिशेल (2004) के अनुसार, व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके व्यवहार, सोचने के तरीके और भावनाओं में दूसरों से भिन्न होने का कारण बनता है।
व्यक्तित्व गुण शिक्षार्थी के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक असंगत व्यक्तित्व वाला शिक्षार्थी वातावरण को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है। व्यक्तित्व गुण वे स्थायी गुण होते हैं जो किसी व्यक्ति के व्यवहार को आकार देते हैं। पाँच कारक मॉडल व्यक्तित्व गुणों को समझने के लिए एक व्यापक रूप से स्वीकृत ढांचा है (गोल्डबर्ग, 1993; कोस्टा और मैकक्रे, 1992)।

शिक्षण को उन तरीकों के समूह के रूप में देखा जा सकता है जिनका उपयोग शिक्षक छात्रों को अधिगम कराने में मदद करने के लिए करते है। ये तरीके ऐसे होते हैं जिन्हें हम देख सकते है। यह दृष्टिकोण गेज (1963) के सूक्ष्म-मानदंड दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसका मतलब है कि हम शिक्षण को छोटे-छोटे, विशिष्ट व्यवहारों के रूप में समझ सकते है।
प्रभावशीलता किसी कार्य या उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा करने की योग्यता या क्षमता को संदर्भित करती है, जिसमें लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता, संसाधनों का कुशल उपयोग और परिणामों की प्रभावशीलता शामिल है (पासी और ललिता, 1994)।

शिक्षक किसी भी देश की नींव होते है। किसी भी देश की उन्नति और विकास मुख्यतः उसके शिक्षकों पर निर्भर करता है, जो राष्ट्र निर्माण में उनके महान और महत्वपूर्ण योगदान के कारण होता है। वे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उच्च बनाने और आकार देने में विशेष योगदान देते है। शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की गुणवत्ता पर आधारित होती है (करीम और रविरोत, 2014)। इसी कारण, शिक्षकों को किसी भी शिक्षा प्रणाली का अत्यंत आवश्यक और विशेष तत्व माना जाता

है। उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रदर्शित किया जाता है जो शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया प्रदान करते हैं। शिक्षक शिक्षा प्रणाली का मुख्य आधार होते है (एफे, 2000 और किआडेसे, 2011)। शिक्षकों को अच्छा शिक्षक, शिक्षण प्रभावशीलता का उच्च स्तर बनाता है।

शिक्षण प्रभावशीलता शिक्षक की ओर से कार्य की पूर्णता, दक्षता का स्तर और उत्पादकता है। यह एक शिक्षक को अनुभव और ज्ञान के साथ परिपक्व होने की अनुमति देता है (डैश और बारमन, 2016)।

शिक्षण प्रभावशीलता को संज्ञानात्मक और गैर-संज्ञानात्मक गुणों के संयोजन के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है जैसे कि शैक्षणिक योग्यता और पुरस्कार, विचार और अभिव्यक्ति की स्पष्टता, प्रवाह, शिक्षण रणनीति, अनुभव और सामाजिक-व्यक्तिगत संपर्क है (कुमारी और पाधी, 2014)।

शैक्षणिक उपलब्धि विद्यार्थी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की सीमा को दर्शाता है। यह विद्यार्थी के ज्ञान, कौशल और समझ का मूल्यांकन करता है। बी.एड. कार्यक्रम में, शैक्षणिक उपलब्धि दोनों सेमेस्टर में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त किए गए सैद्धांतिक और प्रयोगिक अंकों का संयोजन के रूप में मूल्यांकन करता है।

प्रस्तुत शोध से सम्बन्धित प्रत्ययों का विवरण विस्तार पूर्वक अधोलिखित है।

1.1 शिक्षण प्रभावशीलता

विकी फिलिप्स (2013) के अनुसार, प्रभावी शिक्षण एक जटिल प्रक्रिया है। एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए सिर्फ समय और जुनून ही काफी नहीं है। इसके लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री और नियमित रूप से मिलने वाली प्रतिक्रिया भी बहुत जरूरी है। ओयेडेजी (1998) के अनुसार, शिक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को सिखाया जाता है ताकि शिक्षार्थियों में वांछनीय परिवर्तन लाया जा सके। शिक्षण का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अर्थपूर्ण शिक्षा हो (ओगुनेमी, 2000)। जब इस प्रकार का शिक्षण किसी शिक्षक द्वारा किया जाता है, तो कह सकते है कि शिक्षक द्वारा दिया गया शिक्षण प्रभावी हो गया है। शिक्षण की प्रभावशीलता शिक्षा का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है क्योंकि प्रभावी शिक्षण न केवल छात्र को सीखने में मदद करता है, बल्कि छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन या उपलब्धि को भी बढ़ाता है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ने के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है। प्रभावी शिक्षण संयोग से

नहीं होता है। कोठारी शिक्षा आयोग (1964-66) ने बहुत सही टिप्पणी की है कि "शिक्षा की गुणवत्ता और इसके राष्ट्र विकास में योगदान को प्रभावित करने वाले सभी विभिन्न कारकों में, शिक्षकों की गुणवत्ता, क्षमता और चरित्र निस्संदेह सबसे महत्वपूर्ण है।" इसी कारण रिचर्ड एल्मोर (2009) ने कहा कि "छात्र सीखने में सुधार करने के लिए, आप संरचना को नहीं बदलते। आप शिक्षकों के शिक्षण अभ्यास को बदलते हैं। वे स्कूल जो सबसे अच्छा करते है, वे हैं जिनके पास यह स्पष्ट विचार होता है कि वे किस प्रकार का शिक्षण अभ्यास उत्पन्न करना चाहते है, और फिर इसके साथ एक संरचना का निर्माण करते है।"

1.2 अकादमिक उपलब्धि

शैक्षणिक उपलब्धि किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त किए गए ज्ञान और कौशल का मूल्यांकन है। इसका प्रयोग परीक्षाओं, परियोजनाओं या अन्य मूल्यांकन तरीकों के माध्यम से किया जाता है। यह बताता है कि कोई व्यक्ति किसी विषय या क्षेत्र में कितना कुछ सीख पाया है।

1.3 वार्क (VARK) अधिगम शैली

व्यक्तिगत अधिगम शैली, प्रत्येक व्यक्ति की विशेष क्षमताओं और सीखने के तरीके को दर्शाती है। यह उस विधि को संदर्भित करती है जिसके द्वारा एक व्यक्ति सबसे प्रभावी ढंग से नई जानकारी ग्रहण करता है। विभिन्न अधिगम शैलियों और रणनीतियों का प्रयोग, एकल शैली का उपयोग करने की तुलना में अधिक प्रभावी होता है। यह व्यक्ति को अधिक उत्पादक बनाता है और उसकी क्षमताओं को बढ़ाता है। VAK सीखने का मॉडल एक प्रमुख शैक्षिक दृष्टिकोण है और एक प्रमुख सीखने की शैली है जिसे 1920 में मनोवैज्ञानिकों द्वारा लोगों के सीखने के तरीकों को वर्गीकृत करने के लिए प्रस्तावित किया गया था। VAK मुख्य रूप से तीन शब्दों का संक्षिप्त रूप है: दृश्य (V), श्रवण (A) और क्रियात्मक (K)। मूल संक्षिप्ताक्षरों में एक नया शब्द रीडिंग/राइटिंग (R) नील डी. फ्लेमिंग द्वारा 1992 में जोड़ा गया और इसे वार्क (VARK) कहा गया। यह चार अधिगम शैली की विशेषताएँ शिक्षार्थी और शिक्षकों दोनों के अनुभवों को नई जानकारी के अधिग्रहण के लिए दर्शाती है। बाद में, इसे 1992 में फ्लेमिंग और मिल्स द्वारा अनुकूलित किया गया। यह परिवर्तन

मूल संक्षिप्ताक्षर में एक और विशेषता जोड़ने के लिए था और इसे अब वार्क (VARK) अधिगम शैली के रूप में जाना जाता है। यह सीखने का मॉडल अपनी सरलता और प्रभावशीलता के कारण एक प्रसिद्ध सीखने के तरीके के रूप में माना जाता है।

वार्क (VARK) के चार आयामों का वर्णन अग्रलिखित है। दृश्य (Visual (V)), श्रवण (Auditory (A)), पठन (Read/Write (R)) और क्रियात्मक (K)।

1.3.1 दृश्य (Visual (V)) - दृश्य शिक्षार्थी, दृश्य सहायक उपकरण जैसे चित्र, वीडियो, और छवियों के माध्यम से सीखना पसंद करते है। जब सूचना दृश्य प्रारूप में प्रस्तुत की जाती है, तो वे उसे बेहतर तरीके से समझ पाते है।

1.3.2 श्रवण (Auditory (A)) - श्रवण शिक्षार्थी, ध्वनि और संगीत के माध्यम से सीखना पसंद करते हैं। इस अधिगम शैली के अंतर्गत सूचना याद रखने में व्याख्यान, चर्चाएँ, और संगीत सुनना उपयोग करते हैं। श्रवण शिक्षण, जिसे श्रव्य शिक्षण भी कहा जाता है, एक ऐसी सीखने की शैली है जहां व्यक्ति ध्वनि और संगीत के माध्यम से सीखना पसंद करते है।

1.3.3 पठन (Read/Write (R)) - पढ़ने/लिखने अधिगम शैली वाले शिक्षार्थी पढ़ने और लिखने के माध्यम से सीखना पसंद करते है। वे पाठ्य पुस्तकें पढ़ना और नोट्स बनाना उपयोग लेना करते हैं, और जब वे जानकारी लिखते हैं, तो वे उसे बेहतर तरीके से समझ पाते है।

1.3.4 क्रियात्मक (Kinesthetics (K)) - क्रियात्मक शिक्षार्थी, शारीरिक गतिविधियों और व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सीखना पसंद करते है। वे प्रयोग करना, समूह परियोजनाओं में भाग लेना, और भूमिका निभाने वाले अभ्यासों में शामिल होते है।

1.4 व्यक्तित्व गुण

व्यक्तित्व गुणों से अभिप्राय विभिन्न व्यक्तियों के बीच ऐसे आयाम, जो विचारों, भावनाओं और कार्यों में लगातार प्रारूप दिखाने की प्रवृत्तियों को दर्शाते हैं (कोस्टा जूनियर और मैकक्रे, 2013)।

पाइडमोंट और वाइनस्टाइन (1994) के अनुसार, पाँच कारक आमतौर पर निम्नलिखित स्तर पर किए जाते हैं: न्यूरोटिज़्म (नकारात्मक भावनाओं का अनुभव करने की प्रवृत्ति, जैसे चिंता, असुरक्षा और मनोवैज्ञानिक तनाव), बहिर्मुखता (अंतरव्यक्तिक बातचीत और गतिविधि के स्तर की मात्रा और तीव्रता), अनुभव के प्रति खुलापन (नए अनुभवों की सक्रिय खोज और सराहना), सहिष्णुता (करुणा से विरोधाभास तक के निरंतरता पर किसी की अंतरव्यक्तिक बातचीत की गुणवत्ता) और कर्तव्यनिष्ठा (लक्ष्य-निर्देशित व्यवहारों में निरंतरता, संगठन और प्रेरणा की मात्रा)। बिग फाइव फैक्टर मॉडल विभिन्न स्वतंत्र अध्ययन समूहों के उत्पाद के रूप में उभरा। कुछ शोधार्थियों ने व्यक्तित्व लक्षणों के विभिन्न पहलुओं पर शोध करना शुरू किया। इन व्यक्तित्व विशेषताओं को पाँच समूहों में विभाजित किया गया है। बिग फाइव विशेषताएँ व्यक्तित्व और शैक्षणिक व्यवहार के बीच संबंध को समझने का एक प्रारूप प्रदान करती है| जो निम्लिखित है- न्यूरोटिज़्म के लिए अनिश्चितता और पीछे हटना; बहिर्मुखता के लिए उत्साह और आत्मविश्वास; खुलापन/बुद्धि के लिए बौद्धिक और पारदर्शिता; जिम्मेदारी के लिए व्यवसाय और ज्ञान; और करुणा के लिए करुणा और विनम्रता।

1.4.1 बहिर्मुखता (Extroversion): बहिर्मुखता, जिसे एक्स्ट्रावर्जन भी कहा जाता है, एक व्यापक व्यक्तित्व विशेषता है जो कई विशिष्ट विशेषताओं जैसे सामाजिकता, आत्म-विश्वास, उच्च गतिविधि स्तर, सकारात्मक भावनाएँ, और आवेगशीलता को समाहित करती है।

1.4.2 सहमतता (Agreeableness): एक सहयोगी और निस्वार्थ तरीके से कार्य करने की प्रवृत्ति, जिसे बिग फाइव व्यक्तित्व मॉडल में व्यक्तिगत भिन्नताओं के एक आयाम के एक अंत के रूप में समझा जाता है।

1.4.3 कर्तव्यनिष्ठा (Conscientiousness): कर्तव्यनिष्ठा एक व्यक्तित्व निर्माण है जो स्वास्थ्य, सकारात्मक वृद्धावस्था, और मानव पूंजी का एक मूल निर्धारण कारक है ।

1.4.4 खुलापन (Openness): अनुभव के प्रति खुलापन एक प्रवृत्ति है जो बौद्धिक जिज्ञासा, सौंदर्य संवेदनशीलता, उदार मूल्यों, और भावनात्मक भिन्नता की ओर इंगित करती है।

1.4.5 मनोविक्षुब्धता (Neuroticism): मनोविक्षुब्धता नकारात्मक प्रभावों का अनुभव करने की प्रवृत्ति है, जिसमें क्रोध,

चिंता, आत्म-सचेतता, चिढ़चिढ़ापन, भावनात्मक अस्थिरता, और अवसाद शामिल है।

2.0 समस्या का प्रादुर्भाव एवं औचित्य

शिक्षा जगत में शिक्षक का विशेष स्थान है। शिक्षक हमारे देश के भविष्य निर्माता भी होते है। किसी भी देश की नींव उनके भावी शिक्षकों के हाथ में होती है, क्योंकि शिक्षक हमारे देश को डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस, एवं अन्य का निर्माण करता है। परन्तु यह तभी संभव होता है। जब हमारे देश में अच्छे एवं भावी शिक्षक उपलब्ध होगे। अच्छा शिक्षक वही व्यक्ति होता है। जिसके अंतर्गत विशेष प्रकार के गुण उपलब्ध होते हैं।

भारत देश में अच्छे शिक्षकों की गुणवत्ता एन.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित की जाती है। क्योंकि इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य यही है, कि देश में गुणवत्ता पूर्ण भावी शिक्षकों को तैयार किया जा सके। इसी कारण एन.सी.टी.ई. ने शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य शुरु किया एवं देश को भावी शिक्षक प्रदान किये। एन.ई.पी. 2020 में भी शिक्षक प्रशिक्षण को मुख्य रूप से देखा है। इन्होंने शिक्षक प्रशिक्षण को बेहतर करने की बात कही है। जिससे हमारे देश को भावी शिक्षक प्राप्त हो सके। शिक्षक प्रशिक्षण के शिक्षक को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उसके पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाता है। परन्तु सभी विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का उनके अधिगम शैलियों एवं व्यक्तित्व गुणों का सम्बन्ध होता है?

यह सभी तथ्यों एवं साहित्यों लो देखने के पश्चात शोधार्थी के मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न हुई, क्या विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का उनके वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों का सम्बन्ध होता है? इन्हीं प्रश्नों के उत्तर जानने हेतु शोधार्थी ने कई साहित्यों की समीक्षा की गयी जो निम्नलिखित हैं-

ओलैटन, डब्ल्यू., और ओलुसेगन, जे., (2013) ने फेडरल पॉलिटेक्निक के पुरुष और महिला छात्रों के कक्षा में उपचार की तुलना संबंधी अध्ययन किया। यह निष्कर्ष पाया गया कि लिंग छात्रों के कक्षा अनुभवों और इंटरैक्शन को समझने में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता है। शिक्षकों को लिंग-निष्पक्ष प्रथाओं में संलग्न होना चाहिए जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान अवसरों को बढ़ावा दें। यूसुफ, वाई, ओ., और याकूब, के, ओ.,(2013), ने भूगोल में लिंग भिन्नता के प्रदर्शन की तुलना संबंधी अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि चयनित स्कूलों में लड़कियाँ भूगोल में लड़कों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करती है। अलवा अक हा., (2014) ने लर्निंग स्टाइल्स एंड देयर रिलेशन तो टीचिंग

स्टाइल्स पर अध्ययन किया। निष्कर्ष पाया गया कि सीखने की शैलियाँ शिक्षार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब छात्र अपनी स्वयं की सीखने की शैली को पहचानते हैं, तो वे उसे अपने सीखने की प्रक्रिया में शामिल कर सकते है।

जी. क्रैंकविस्ट और पी. काजोनियस., (2015) ने पर्सनालिटी ट्रेट्स एंड वैल्यू: अ रेप्लिकतिओन विथ अ स्वेदिश सैंपल अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि अध्ययन के परिणामों और निष्कर्षों का समर्थन करता है। हमने यह संक्षेप तैयार किया है कि गुण शायद मूल्यों को कैसे प्रभावित करते है। हमने यह भी अतिरिक्त साक्ष्य प्रदान किया है कि गुण और मूल्य अलग-अलग अवधारणाएँ है।

सौन्दरिया के, दीपिका वी, कलाईसेल्वन जी. ए., (2017) अ स्टडी ऑन द लर्निंग स्टाइल्स एंड लर्निंग अप्प्रोजएस अमोंग मेडिकल स्टूडेंट अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि कुल 121 छात्रों में से 53.8% छात्र एकल-मोड शिक्षार्थी थे और 46.2% बहु-मोड शिक्षार्थी थे। एकल-मोड शिक्षार्थियों में, प्रमुख रूप से दृश्य शिक्षार्थी थे (24.1%)। चिकित्सा छात्रों में लिंग का सीखने की शैली की प्राथमिकताओं पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं था। चिकित्सा छात्रों में गहरा दृष्टिकोण प्रमुख सीखने का दृष्टिकोण था। रणनीतिक दृष्टिकोण के औसत स्कोर में पुरुष चिकित्सा छात्रों की तुलना में काफी अधिक थे। देवम्मा, जी. बी., (2018) ने टीचिंग इफेक्टिवनेस ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन इन देयर मोरले पर अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि उच्च मनोबल वाले शिक्षक अपनी शिक्षण प्रभावशीलता में बेहतर होते हैं। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता में उल्लेखनीय रूप से अधिक होती है, और लिंग का माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। डेलगिन आर डीएम., (2019) ने अ स्टडी ऑन द प्रेफेर्रेड लर्निंग स्टाइल्स इफ स्टूडेंट्स पर अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि छात्रों की सबसे पसंदीदा सीखने की शैली दृश्य और संवेदी सीखने की शैली है। राजू, धा. ज़ा. और वर्धिनी, एस. वि., (2020) ने द इमोशनल मेचोरिटी ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल टीचर्स एंड दा एफिशिएंसी ऑफ़ टीचर्स पर अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में अधिकांश शिक्षक औसत प्रभावशीलता से ऊपर और बहुत उच्च आत्म-प्रभावशीलता रखते हैं, जो उनके शिक्षण प्रभावशीलता के साथ सकारात्मक संबंध दर्शाता है।

सहजल, पी., ग्रेवाल के. और एन. कुमार., (2021) ने टीचर इफेक्टिवनेस ऑफ़ सेकेंडरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन तो दयेर एटीट्यूड पर अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि दोनों स्तरों पर, माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति उनके दृष्टिकोण के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। पुरुष और महिला माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। इसके अलावा, पुरुष और महिला माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति दृष्टिकोण में भी कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। लैम्प्रोपोलोस, जी., अनास्तासियाडिस, टी., सियाकास, के., और सियाकास, ई., (2022) ने द इम्पैक्ट ऑफ़ पर्सनालिटी ट्रेट्स ऑन सोशल मीडिया यूज़ एंड इंगेजमेंट: एन ओवरव्यू पर अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया कि अध्ययन के सामाजिक मीडिया के उपयोग और संलग्नता के बीच एक निकट संबंध है, और कुछ व्यक्तित्व गुण इसका अधिक प्रभाव डालते है। खुलापन और बाह्याभिमुखता सामाजिक मीडिया के उपयोग के दो सबसे महत्वपूर्ण सकारात्मक भविष्यवक्ता के रूप में उभरे, जबकि, सहानुभूति और न्यूरोटिसिज्म भी महत्वपूर्ण माने गए, लेकिन कम डिग्री में। इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला गया कि व्यक्तित्व गुणों का सामाजिक मीडिया के उपयोग और संलग्नता पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। चतुर्वेदी, सज्जनहार और पाहुजा., (2022) ने अ स्टडी एक्सामिनिंग द रिलेशनशिप बिटवीन जेंडर एंड पर्सनालिटी पर अध्ययन किया | निष्कर्षों में पाया गया महिलाओं ने तीनों स्केलों पर तुलनात्मक रूप से अधिक अंक प्राप्त किए, जो यह दर्शाता है कि महिलाएं नए अनुभवों और विचारों के प्रति अधिक खुली होती हैं। वे दूसरों की आवश्यकताओं को अपनी जरूरतों से पहले रखने की अधिक संभावना रखती हैं और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की बजाय प्रतिस्पर्धा करने की बजाय सहकारी होती हैं। वहीं, पुरुष व्यावहारिक, पारंपरिक और ठोस चीजों पर ध्यान केंद्रित करते है। वे अनजान चीजों से बचते हैं और पारंपरिक तरीकों का अनुसरण करते हैं। वे कम सहानुभूति का अनुभव करते है।

वंग, एच., लिऊ, वाई., वंग, जेड., और वंग, टी. (2023) ने द इन्फ्लुएंस ऑफ़ थे बिग फाइव पर्सनालिटी ट्रेस इन अकादमिक अचीवमेंट्स: चैन मेडीएटिंग इफ़ेक्ट बेस्ड ऑन मेजर आइडेंटिटी एंड सेल्फ-एफ्फीसेसी पर अध्ययन किया।

निष्कर्षों में पाया गया पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तित्व लक्षणों के शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभावों के परिणामों और तंत्रों में महत्वपूर्ण अंतर पाए गए हैं। पुरुषों में खुलापन और बहिर्मुखता का शैक्षणिक उपलब्धि पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, लेकिन इनका प्रभाव प्रमुख पहचान और आत्म-प्रभावकारिता में सुधार के माध्यम से संतुलित किया जा सकता है। सहयोगशीलता और भावनात्मक स्थिरता दोनों का शैक्षणिक उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, और मुख्य प्रभाव प्रत्यक्ष प्रभाव है। कठोरता के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव स्पष्ट नहीं हैं। महिलाओं में बहिर्मुखता और परिश्रम का आत्म-प्रभावकारिता के स्वतंत्र मध्यस्थ प्रभाव और प्रमुख पहचान से आत्म-प्रभावकारिता तक श्रृंखलाबद्ध मध्यस्थ प्रभाव के माध्यम से शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि भावनात्मक स्थिरता, खुलापन और सहयोगशीलता का शैक्षणिक उपलब्धि पर कोई विशिष्ट प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ता है। नानावारे, आर. बी., बविस्कार, सी. (2023) ने अ स्टडी ऑन अकादमिक अचीवमेंट इन रिलेशन टू लर्निंग स्टाइल्स ऑफ़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स निष्कर्षों से पता चलता है कि सीखने की प्रमुख संवेदी विधा श्रवण है और दृश्य और गतिज सीखने की तुलना में अधिक प्रचलित है (34%)। सीखने की शैली और शैक्षणिक सफलता के बीच संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है ($p < 0.05$)। तीन चरों - दृश्य, श्रवण और गतिज के मुख्य प्रभाव भी शैक्षणिक उपलब्धि पर पर्याप्त हैं। महिला छात्राएं सभी (सहयोगी) सीखने की शैलियों के मिश्रण में अधिक प्रभावशाली थीं। सुबाग्जा और रुबिनी., (2023) ने एनालिसिस ऑफ स्टूडेंट लर्निंग स्टाइल्स युसिंग फ्लेमिंग्स वर्क मॉडल इन साइंस सब्जेक्ट पर अध्ययन किया। निष्कर्षों के अनुसार, 35% छात्र क्रियात्मक/अनुभवात्मक अधिगमकर्ता हैं, 30% दृश्य अधिगमकर्ता हैं, 21% श्रवण अधिगमकर्ता हैं, और 14% वाचिक अधिगमकर्ता हैं। अधिगम शैलियों को समझकर शिक्षक अधिगम मॉडल का चयन, सामग्री का निर्माण और चयन, तथा अधिगम माध्यमों और मूल्यांकन दृष्टिकोणों को छात्रों की अधिगम शैलियों के अनुरूप अधिक प्रभावी ढंग से चुन सकते हैं। राठौड़, एन. एम., पंचाल, ए., रावत, एस., और मकवाना, के. के. (2024) ने एक्सामिनिंग दी नेक्सस बिटवीन लेर्निंग मोडलिटीस एंड स्कॉलरली परफॉर्मेंस इन 1st- ईयर मेडिकल स्टूडेंट अधिकांश छात्र गतिज (किनेस्थेटिक) अधिगम शैली को पसंद करते हैं। निष्कर्षों से पता चलता है कि फिर भी, पुरुष और महिला दोनों छात्रों

में दृश्य अधिगम शैलियों और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच एक महत्वपूर्ण सहसंबंध मौजूद है। डे, बी., और पंडा, बी. एन. (2024). ने अंडरस्टैंडिंग द लर्निंग स्टाइल प्रैफरेंसेज ऑफ़ ओडीएल स्टूडेंट्स यूसिंग वर्क मॉडल: इम्प्लिकतिओन्स फॉर इन्दिविदुअलिज़ेद पेदगोजी एंड स्टूडेंट सक्सेस ओडीएल पर अध्ययन किया। निष्कर्षों में पाया गया छात्रों की अधिगम शैली प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण विविधता का पता चला। 89 (36.18%) ओडीएल छात्रों की अधिगम शैली एकल प्राथमिकता वाली है, जबकि 157 (63.82%) ओडीएल छात्रों की बहु-संवेदी अधिगम शैली प्राथमिकता है। लिंग के आधार पर ओडीएल छात्रों की अधिगम शैलियों में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। दृश्य अधिगम शैली सर्वाधिक पसंदीदा अधिगम शैली है, इसके बाद क्रमशः श्रवण, क्रियात्मक/अनुभवात्मक और वाचिक अधिगम शैली का स्थान है। अधिकांश ओडीएल छात्र बहु-संवेदी तौर-तरीकों से सीखना पसंद करते हैं।

उपरोक्त शोध अध्ययनों का सर्वेक्षण करने के पश्चात शोधार्थी ने पाया कि विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का उनके वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुण के संदर्भ में अध्ययन नहीं पाया गया है। इसका अधिक कार्य मेडिकल क्षेत्र में हुआ है। समय के साथ-साथ निरन्तर विकास एवं तकनीकी क्रान्ति के कारण वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपरोक्त समस्या का अध्ययन किया जाना आवश्यक है। जिससे ज्ञात हो सके कि विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का उनके वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों में सहसम्बन्ध पाया जाता है। यदि किसी भी प्रकार सहसम्बन्ध पाया जाता है। तो भविष्य में विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का उनके वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के संदर्भ में अध्ययन किया जा सकेगा।

3.0 शोध प्रश्न

1. विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं वार्क (VARK) अधिगम शैली कैसे सहसंबंधित हैं?
2. विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि एवं वार्क (VARK) अधिगम शैली कैसे सहसंबंधित हैं?
3. विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं व्यक्तित्व गुण कैसे सहसंबंधित हैं?
4. विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि एवं व्यक्तित्व गुण कैसे सहसंबंधित हैं?

5. विद्यार्थी-शिक्षकों की वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुण किस प्रकार शिक्षण प्रभावशीलता के साथ बहुसहसंबंधित हैं?

6. विद्यार्थी-शिक्षकों की वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुण किस प्रकार अकादमिक उपलब्धि के साथ बहुसहसंबंधित हैं?

4.0 समस्या कथन

विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक उपलब्धि का वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के संदर्भ में अध्ययन

5.0 समस्या में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या

5.1 विद्यार्थी-शिक्षक

सैद्धांतिक परिभाषा

कोलिन्स डिक्शनरी (2024) के अनुसार, "एक युवा व्यक्ति जो शिक्षक बनने की योजना बनाता है और जो अपने समय का कुछ भाग प्रारंभिक शिक्षा में अध्यापक के पर्यवेक्षण के अंतर्गत शिक्षण कर्तव्य निभाते हुए व्यतीत करता है।"

कार्यात्मक परिभाषा

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यार्थी-शिक्षकों से तात्पर्य उन बी.एड. अभ्यर्थियों से है जो कि दो वर्षीय पाठ्यक्रम में अध्ययनरत है।

5.2 शिक्षण प्रभावशीलता

सैद्धांतिक परिभाषा

शिक्षक प्रभावशीलता को विद्यार्थी अधिगम में उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण के प्रभावों के रूप में देखा जाता है, जो उपलब्धि प्राप्त के संदर्भ में होता है। व्यक्ति उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण को सीखने के वातावरण बनाने, बढ़ावा देने, अनुकूलित करने और बातचीत करने की गतिशील और अंतः क्रियात्मक प्रक्रिया के रूप में मानते हैं, जिसमें सभी विद्यार्थियों को उन

गतिविधियों में समर्थित किया जाता है जिनके सीखने में सुधार की अच्छी संभावना होती है (सीडेल और शैवेलसन, 2007)।

कार्यात्मक परिभाषा

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शिक्षण प्रभावशीलता से तात्पर्य शिक्षक के प्रदर्शन का उसके विद्यार्थियों पर प्रभाव और शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लक्ष्य को कितना पूर्ण करता है, इसका मूल्यांकन है।

5.3 अकादमिक उपलब्धि

सैद्धांतिक परिभाषा

कुह और अन्य (2006) के अनुसार, "छात्र सफलता को शैक्षणिक उपलब्धि, शैक्षिक रूप से उद्देश्यपूर्ण गतिविधियों में भागीदारी, संतोष, वांछित ज्ञान, कौशल और क्षमताओं की अधिग्रहण, निरंतरता, शैक्षणिक परिणामों की प्राप्ति, और कॉलेज के बाद के प्रदर्शन के रूप में परिभाषित किया गया है।"

कार्यात्मक परिभाषा

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षणिक सफलता से तात्पर्य शिक्षक प्रशिक्षुओं की शैक्षणिक क्षेत्र में उपलब्धि से है, जिसको स्नातक स्तर की प्रथम परीक्षा में प्राप्त अंकों द्वारा दर्शाया जाता है।

5.4 वार्क (VARK) अधिगम शैली

सैद्धांतिक परिभाषा

नील फ्लेमिंग (1987) ने परिभाषित किया कि वार्क (VARK) अधिगम शैली के अंतर्गत चार प्रमुख अधिगम शैलियाँ दृश्य (Visual (V)), श्रवण (Auditory (A)), पठन (Read/Write (R)) और क्रियात्मक (Kinesthetics (K)) सम्मिलित होते है। अधिगम शैली, व्यक्तियों को उनके बेहतर सीखाने के तरीकों के बारे में उनकी व्यक्तिगत वरीयता के आधार पर जानकारी करती है।

कार्यात्मक परिभाषा

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वार्क (VARK) अधिगम की शैली से तात्पर्य चार प्रकार की अधिगम शैलियों को शामिल किया

है। दृश्य (Visual (V)), श्रवण (Auditory (A)), पठन (Read/Write (R)) और क्रियात्मक (Kinesthetics (K))।

5.5 व्यक्तित्व गुण

सैद्धांतिक परिभाषा

"व्यक्तित्व गुणों को साधारणतः व्यवहार, विचारों, भावनाओं के अपेक्षाकृत स्थिर प्रारूप के संदर्भ में व्यक्तियों के विवरण के रूप में परिभाषित किया जाता है (मैक्रे और कोस्टा, 2003)।"

कार्यात्मक परिभाषा

प्रस्तुत शोध अध्ययन में व्यक्तित्व गुण से तात्पर्य व्यक्तित्व गुणों की विशेषताओं से है जो विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्ति के व्यवहार के एक विशेष प्रारूप में प्रकट होती है।

6.0 अध्ययन के उद्देश्य

1. विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

2. विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

3. विद्यार्थी-शिक्षकों की वार्क (VARK) अधिगम शैली का अध्ययन करना।

4. विद्यार्थी-शिक्षकों की व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करना।

5. विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं वार्क (VARK) अधिगम शैली में सहसंबंध का अध्ययन करना।

6. विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि एवं वार्क (VARK) अधिगम शैली में सहसंबंध का अध्ययन करना।

7. विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं व्यक्तित्व गुणों में सहसंबंध का अध्ययन करना।

8. विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि एवं व्यक्तित्व गुणों में सहसंबंध का अध्ययन करना।

9. विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के साथ बहुसहसंबंध का अध्ययन करना।

10. विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि का वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के साथ कोई बहुसहसंबंध का अध्ययन करना।

7.0 अध्ययन की परिकल्पनाएं

H_{o1} विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं वार्क (VARK) अधिगम शैली में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

H_{o2} विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि एवं वार्क (VARK) अधिगम शैली में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

H_{o3} विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

H_{o4} विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि एवं व्यक्तित्व गुणों में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

H_{o5} विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के साथ कोई सार्थक बहुसहसंबंध नहीं है।

H_{o6} विद्यार्थी-शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धि का वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के साथ कोई सार्थक बहुसहसंबंध नहीं है।

8.0 अध्ययन का परिसीमांकन

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन को केवल आगरा शहर तक ही सीमित रखा जायेगा।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन को केवल (B.Ed.) विद्यार्थी-शिक्षकों तक ही सीमित रखा जायेगा।
3. प्रस्तुत शोध अध्ययन को केवल दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट एवं डा. बी.ए.आर. यूनिवर्सिटी तक ही सीमित रखा जायेगा।

9.0 अध्ययन में प्रयुक्त चर

9.1 स्वतंत्र चर – 1. वार्क (VARK) अधिगम शैली 2. व्यक्तित्व गुण

9.2 आश्रित चर – 1. शिक्षण प्रभावशीलता 2. अकादमिक उपलब्धि

10.0 अनुसंधान प्रक्रिया

शोध की प्रक्रिया चित्र संख्या 1.0 के माध्यम से दर्शाई गई है-

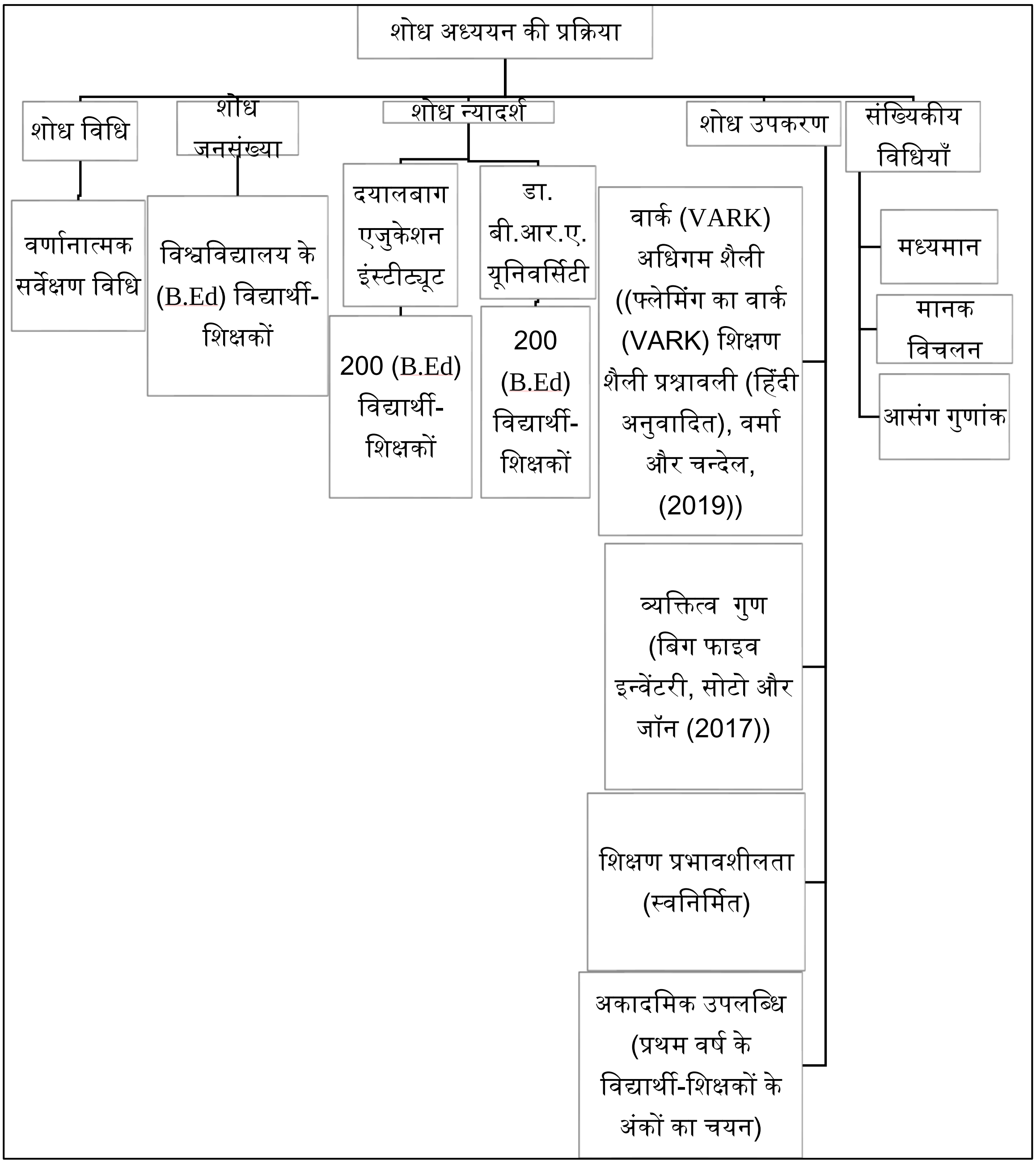

चित्र 1. शोध की प्रक्रिया

11.0 शोध विधि – प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगा।

12.0 शोध जनसंख्या – शोध जनसंख्या के अन्तंर्गत आगरा शहर के विद्यार्थी-शिक्षकों को सम्मिलित किया जायेगा।

13.0 शोध न्यादर्श – प्रस्तुत शोध अध्ययन में आगरा जिले के दो विश्वविद्यालय से 400 विद्यार्थी-शिक्षकों का यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया जायेगा।

शोध का न्यादर्श चित्र संख्या 2.0 के माध्यम से दर्शाई गई है-

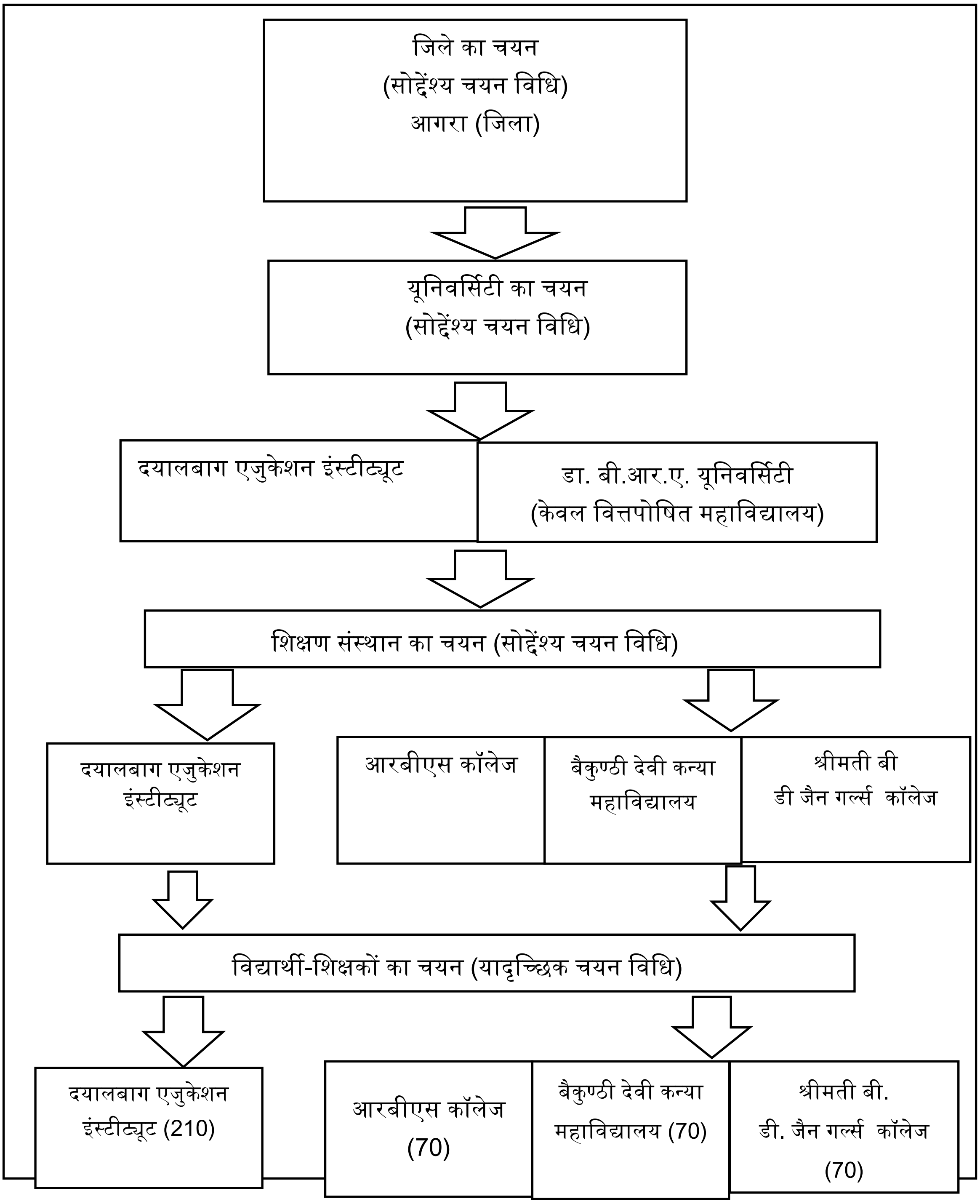

चित्र 2. शोध का न्यादर्श

14.0 शोध उपकरण प्रस्तुत अध्ययन में चार चर हैं। जिनसे सम्बंधित आकड़ों को एकत्र करने के लिये शोध उपकरण का विवरण अधोलिखित है।

14.1 वार्क (VARK) अधिगम शैली

इस प्रकार शोधार्थी द्वारा वार्क (VARK) अधिगम शैली का अध्ययन करने के लिए भिन्न-भिन्न शोध उपकरणों का अध्ययन किया गया जिसका विवरण तालिका 1. में है। शोध उपकरणों का अध्ययन करने के पश्चात शोधार्थी द्वारा पाया गया कि फ्लेमिंग वार्क (VARK) शोध उपकरण वर्तमान अध्ययन के उद्देश्यों को पूर्ण करता है। अंत: वार्क (VARK) अधिगम शैली के परीक्षण के लिए नेल फ्लेमिंग द्वारा निर्मित फ्लेमिंग का वार्क (VARK) शिक्षण शैली प्रश्नावली (1987) का उपयोग किया जायेगा। जिसकी विश्वसनीयता 0.82 एवं वैधता 0.91 है। उपकरण का नया संस्करण 2019 हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में दिया गया है। अंत: 2019 संस्करण का प्रयोग किया जायेगा।

तालिका 1. वार्क (VARK) अधिगम शैली से सम्बंधित समिक्षित उपकरणों का विवरण

क्र. सं.	**परीक्षण का नाम**	**निर्माणकर्ता**	**वर्ष**
1	फ्लेमिंग का वार्क (VARK) शिक्षण शैली प्रश्नावली (मूल उपकरण) फ्लेमिंग का वार्क (VARK) शिक्षण शैली प्रश्नावली (हिंदी अनुवादित)	नेल फ्लेमिंग वर्मा. एस., और चन्देल, एन.पी.एस.	1987 2019
2	सीखने और सोचने की शैलियाँ	डी. वेंकट रामन	1994
3	सीखने की शैली सूची	कुमार एट अल.	1996
4	कोल्ब की सीखने की शैली सूची (भारतीय संस्करण)	दुंगवाल और मित्रा	2000
5	सीखने की शैली सूची	सुनिला थॉमस	2007
6	सीखने की शैली सूची	के. एस. मिश्रा	2012

14.2 अकादमिक उपलब्धि

अकादमिक उपलब्धि के लिए शोधार्थी द्वारा प्रथम वर्ष के बी.एड. विद्यार्थी-शिक्षकों के अंकों का चयन किया जायेगा।

14.3 शिक्षण प्रभावशीलता

शोधार्थी द्वारा शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए भिन्न भिन्न शोध उपकरणों का अध्ययन किया गया जिसका विवरण तालिका संख्या 2. में है। शोध उपकरणों का अध्ययन करने के पश्चात शोधार्थी द्वारा पाया गया कि कोई भी शोध उपकरण वर्तमान अध्ययन के उद्देश्यों को पूर्ण नहीं करता है। इसलिए शोधार्थी द्वारा शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन करने हेतु शोध उपकरण का निर्माण किया जायेगा।

तालिका 2. शिक्षण प्रभावशीलता से सम्बंधित समिक्षित उपकरणों का विवरण

क्र. सं.	**परीक्षण का नाम**	**निर्माण कर्ता**	**वर्ष**
1	शिक्षण प्रभावशीलता स्केल (टीईएस)	उम्मे कुलसुम (बैंगलोर)	2005

2	शिक्षण प्रभावशीलता स्केल	सुभाष शंकर और अभिजीत	2014

14.4 व्यक्तित्व गुण

इस प्रकार शोधार्थी द्वारा व्यक्तिगत गुण का अध्ययन करने के लिए भिन्न भिन्न शोध उपकरणों का अध्ययन किया गया जिसका विवरण तालिका संख्या 3. में है। शोध उपकरणों अध्ययन करने के पश्चात शोधार्थी द्वारा पाया गया कि बिग फाइव इन्वेंटरी, जे. सोटो. और पी. जॉन. (2017) वर्तमान अध्ययन के उद्देश्यों को पूर्ण करता है। व्यक्तित्व गुण के परीक्षण के लिए जे. सोटो. और पी. जॉन. द्वारा निर्मित बिग फाइव इन्वेंटरी 2017 का उपयोग किया जायेगा।

तालिका 3. व्यक्तिगत गुण से सम्बंधित समिक्षित उपकरणों का विवरण

क्र. सं.	परीक्षण का नाम	निर्माण कर्ता	वर्ष
1.	द बिग फाइव पर्सनैलिटी प्रश्नावली	डॉ. के.एस. मिश्रा	1985
2.	पांच कारक व्यक्तित्व का मॉडल	प्रो. पॉल कोस्टा और रॉबर्ट एम.सी. क्रे	2003
3.	बिग फाइव आस्पेक्ट्स स्केल (बीएफएएस)	डीयंग एट अल.	2007
4.	विशेषण आधारित व्यक्तित्व परीक्षण	बेकनलि एट अल.	2009
5.	बिग फाइव इन्वेंटरी	जे. सोटो. और पी. जॉन.	2017

15.0 सांख्यिकी प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध कार्य के प्राप्त आंकड़ों को वर्णानात्मक निम्न सांख्यिकीय प्रविधियों द्वारा विश्लेषित किया जायेगा। जिसमे मध्यमान, मानक विचलन, आसंग गुणांक, का प्रयोग प्रमुखता से किया जायेगा।

16.0 शोध की उपादेयता

अधिगम शैली में यह शामिल होता है कि विद्यार्थी-शिक्षकों सीखने के प्रति किस प्रकार का दृष्टिकोण अपनाते है, जिससे अनुभवजन्य शिक्षा और जानकारी का उपयोग होता है। विभिन्न परिस्थितियों, वातावरण और सेटअप में विभिन्न सीखने की शैलियों को समझकर, शिक्षक विषय को बेहतर तरीके से सिखा सकते हैं और विद्यार्थी-शिक्षकों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार कर सकते है। इस प्रकार की समग्र सफलता से करियर में भी बेहतर अवसर मिल सकेगा। शिक्षक अपनी शैक्षणिक असाइनमेंट को अधिकांश विद्यार्थी-शिक्षकों की सीखने की दृष्टि के अनुसार योजना और डिज़ाइन कर सकते है, जिससे उच्च शैक्षणिक सफलता प्राप्त हो सके। यह अध्ययन विद्यार्थी-शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं अकादमिक

उपलब्धि का उनके वार्क (VARK) अधिगम शैली एवं व्यक्तित्व गुणों के बीच संबंध को समझने में मदद करेगा। इससे शिक्षकों को विद्यार्थी-शिक्षकों की विभिन्न व्यक्तित्व गुणों और सीखने की शैलियों को स्वीकारने में सहायता मिल सकेगी। विद्यार्थी-शिक्षकों के व्यक्तित्व गुणों और सीखने की शैलियों को समझने के बाद, विद्यार्थी-शिक्षकों को उनकी समस्याओं को समझने में मदद कर सकेंगे और उन्हें शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिल सकेंगी। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के स्तर पर, विद्यार्थी-शिक्षकों को अपने करियर की दिशा में सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे अपनी व्यक्तित्व प्रकारों/लक्षणों के अनुकूल एक विशेष सीखने की शैली अपनाएं, जो उन्हें शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करने में मदद कर सकेंगी।

17.0 सन्दर्भ ग्रंथ सूची

Alavi, S., & Toozandehjani, H. (2017). The relationship between learning styles and students' identity styles. *Open Journal of Psychiatry*, *7*, 90-102. https://doi.org/10.4236/ojpsych.2017.72009

Bakr, H. M., & Zeitoun, A. M. (2016). The effect of using computerized mind maps in solving physical problems of tenth grade female students in light of their learning styles. *University of Jordan*.

Bokhari, N. M., & Zafar, M. (2019). Learning styles and approaches among medical education participants. *Journal of Education and Health Promotion, 8*.

Colquitt, J. A., LePine, J. A., & Wesson, M. J. (2009). *Organizational behaviour: Improving performance and commitment in the workplace*. McGraw-Hill Irwin.

Costa Jr, P. T., & McCrae, R. R. (2013). *Personality in adulthood: A five-factor theory perspective*. Routledge.

Costa, P. T. Jr., & McCrae, R. R. (1992). *Revised NEO Personality Inventory (NEO-PI-R) and NEO Five-Factor Inventory (NEO-FFI) manual*. Psychological Assessment Resources.

Curry, L. (1981). Learning styles in continuing medical education. *CMA Journal*, *124*(1), 535-536.

Dash, U., & Barman, P. (2016). Teaching effectiveness of secondary school teachers in the district of Purba Medinipur, West Bengal. *IOSR Journal of Humanities and Social Sciences*, *21*(7), 50-63.

De Raad, B., & Schouwenburg, H. C. (1996). Personality in learning and education: A review. *European Journal of Personality*, *10*(5), 303-336.

Delgin, R. D. M. (2019). A study on the preferred learning styles of students. *International Journal of Indian Psychology*, *7*(2), 102-106. https://doi.org/10.25215/0702.013

Devamma, G. B. (2018). Teaching effectiveness of secondary school teachers in relation to their morale. *International Journal of Indian Psychology*, *6*(4), 4-12. https://doi.org/10.25215/0604.061

Dey, B., & Panda, B. N. (2024). Understanding the learning style preferences of ODL students using VARK model: Implications for individualized pedagogy and student success. *Asian Journal of Education and Social Studies, 50*(5), 323-331. https://doi.org/10.9734/ajess/2024/v50i51365

Dunn, R., & Dunn, K. (1978). *Teaching students through their individual learning styles*. Reston, VA: Reston Publishing.

Felder, R. M., & Silverman, L. K. (1988). Learning styles and teaching styles in engineering education. *Engineering Education*, *78*(7), 674–681.

Fleming, N. (2006). *Teaching and learning styles: VARK strategies*. Christchurch, New Zealand: N.D. Fleming.

Fleming, N. (2011). *VARK: A guide to learning styles* [Online]. Retrieved from http://www.vark-learn.com/english/page.asp?p_questionnaire (Accessed March 10, 2011).

Fleming, N. D. (2001). *Teaching and learning styles: VARK strategies*. Christchurch, New Zealand: N.D. Fleming.

Foley, I. (1999). Teacher learning style preferences, student learning style preferences and student reading achievement (Doctoral dissertation). ProQuest Dissertation and Theses Database. (UMI No. 9929271).

Gage, N. L. (1963). Can science contribute to the art of teaching? Teacher education. In *The search for a scientific basis*. Pacific Books Publishers.

Gardner, H. (1983). *Frames of mind: The theory of multiple intelligences*. Basic Books.

Goldberg, L. R. (1992). The development of markers for the Big-Five factor structure. *Psychological Assessment*, *4*(1), 26–42.

Goods, C. V. (1973). *Dictionary of education*. Tata McGraw-Hill.

Hawkar, A. A. (2014). Learning styles and their relation to teaching styles. *International Journal of Language and Linguistics*, *2*(3), 241-245. https://doi.org/10.11648/j.ijll.20140203.23

Kareem, J., & Ravirot, B. (2014). A study on the self-concept of teachers working in government, aided, and unaided colleges in Bangalore. *The IUP Journal of Organizational Behavior*, *XIII*(1), 61-70.

Keller, J., Hattie, J., & Anderman, E. M. (2013). Teacher enthusiasm and student learning. In *International guide to student achievement* (pp. xx-xx). Routledge.

Kiadese, A. L. (2011). An assessment of the teaching effectiveness of prevocational subjects teachers in Ogun State, Nigeria. *International Journal of Vocational and Technical Education*, *3*(1), 5-8.

Kuh, G. D., Kinzie, J., Buckley, J. A., Bridges, B. K., & Hayek, J. C. (2006). What matters to student success: A review of the literature. *Commissioned report for the National Symposium on Postsecondary Student Success*. Washington, DC: National Postsecondary Education Cooperative.

Kumari, A., & Padhi, S. (2014). A study of teacher effectiveness of secondary school teachers with reference to certain demographic variables. *International Journal of Advanced Research*, *2*(12), 26-32.

Lampropoulos, G., Anastasiadis, T., Siakas, K., & Siakas, E. (2022). The impact of personality traits on social media use and engagement: An overview. *International Journal on Social and Education Sciences (IJonSES)*, *4*(1), 34-51. https://doi.org/10.46328/ijonses.264

Larkin, T., & Budny, D. (2005). Learning styles in the classroom: Approaches to enhance student motivation and learning. Paper presented at the ITHET 6th Annual International Conference, pp. F4D1-F4D8. https://doi.org/10.1109/ITHET.2005.1560310

Logan, K., & Thomas, P. G. (2002). Learning styles in distance education students learning to program. In *PPIG* (p. 3).

Marcela, V. (2015). Learning strategy, personality traits, and academic achievement of university students. *Procedia - Social and Behavioral Sciences*, *174*, 3473-3478.

Materna, L. (2007). *Jump start the adult learner: How to engage and motivate adults using brain-compatible strategies*. Sage.

Mayzler, A., & McGann, A. (2010). *Tutor in a book: Better grades as easy as 1-2-3*. Adams Media.

McKeachie, W. J. (1997). Student ratings: The validity of use. *American Psychologist*, *52*(11), 1218–1225.

Medley, D. M., & Shannon, D. (1994). Measuring classroom behavior by systematic observation. In N. L. Gage (Ed.), *Handbook of research on teaching* (pp. xx-xx). Rand McNally.

Mischel, W. (2004). Toward an integrative science of the person. *Annual Review of Psychology*, *55*, 1–22.

Nanaware, R. B., & Baviskar, C. (2023). A Study on Academic Achievement in Relation to Learning Styles of Senior Secondary School Students. *MIER Journal of Educational Studies Trends and Practices*, *13*(1), 180–192. https://doi.org/10.52634/mier/2023/v13/i1/2357.

Narayani, V. (2014). Learning style of higher secondary students in relation to their academic achievement. *International Journal of Scientific and Research Publications*, *4*(4), 1-5.

Nauzeer, S., & Jaunky, V. C. (2021). A meta-analysis of the combined effects of motivation, learning, and personality traits on academic performance. *Pedagogical Research, 6*(3), Article 23.

Nye, J. V., Orel, E., & Kochergina, E. (2013). Big five personality traits and academic performance in Russian universities. *Higher School of Economics Research Paper No. WP BRP, 10*.

O'Connor, M. C., & Paunonen, S. V. (2007). Big Five personality predictors of post-secondary academic performance. *Personality and Individual Differences*, *43*(5), 971-990.

Olaitan, W., & Olusegun, J. (2013). A comparative study of the classroom treatment of male and female students of the Federal Polytechnic, Ilaro. *Journal of Education and Practice, 4*(9).

Olatoye, R. A. (2006). Science teacher effectiveness as a predictor of students' performance in the Senior Secondary School Certificate Examination. *Journal of Educational Studies, 6*, 104-110.

Onyekuru, B. U., & Ibegbunam, J. O. (2013). Teaching effectiveness of secondary school teachers in Emohua Local Government Area of Rivers State, Nigeria. *European Scientific Journal.

Passi, B. K., & Lalitha, M. S. (2011). *Manual for general teaching competency scale*. Agra: National Psychological Corporation.

Poropat, A. E. (2009). A meta-analysis of the Five-Factor Model of personality and academic performance. *Psychological Bulletin*, *135*(2), 322-338. https://doi.org/10.1037/a0015358

Rahmani, J. (2012). Learning styles and academic achievement: A case study of Iranian high school girls' students. *Procedia - Social and Behavioral Sciences, 51,* 1030-1034. https://doi.org/10.1016/j.sbspro.2012.08.217

Rathod, N. M., Panchal, A., Rawat, S., & Makwana, K. K. (2024). Examining the nexus between learning modalities and scholarly performance in 1st-year medical students. *National Journal of Physiology, Pharmacy and Pharmacology, 14*(9), 1914-1918.

Selvi, T. K. (2017). What do teachers need to equip students with skills for a fast-evolving world? *The Hindu*. Retrieved from https://www.thehindu.com/profile/author/T-Kalai-Selvi-6736/teaching-competencies/The-Hindu

Sharma, P., et al. (2011). A study of learning-thinking style of secondary school students in relation to their academic achievement. *International Journal on New Trends in Education and Their Implications*, *2*(4), Article 12. https://doi.org/10.1309/6249

Singh, N. (2002). *Modernization of teacher education*. Commonwealth Publishers.

Soundariya, K., Deepika, V., & Kalaiselvan, G. (2017). A study on the learning styles and learning approaches among medical students. *National Journal of Physiology, Pharmacy and Pharmacology*, *7*(10), 1020-1025. https://doi.org/10.5455/njppp.2017.7.1020-1025

Stash, N. (2007). Incorporating cognitive/learning styles in a general purpose adaptive hypermedia system (Doctoral dissertation). Available from SIKS Dissertation Series. (No. 2007-1).

Subagja, S., & Rubini, B. (2023). Analysis of student learning style using Flame's VARK model in science students. *Jurnal Pembelajaran dan Biologi Nukleus, 9*(1), 31-39. https://doi.org/10.36987/jpbn.v9i1.3752

Turan, S., Demirel, O., & Sayek, I. (2009). Metacognitive awareness and self-regulated learning skills of medical students in different medical curricula. *Medical Teacher, 31,* e477-e483. https://doi.org/10.1080/01421590802514185

Venkataih, S. (2000). *Teacher education*. In *Encyclopedia of contemporary education series*. Anmol Publications Pvt. Ltd.

Wang, H., Liu, Y., Wang, Z., & Wang, T. (2023). The influences of the Big Five personality traits on academic achievements: Chain mediating effect based on major identity and self-efficacy. *Frontiers in Psychology, 14,* 1065554. https://doi.org/10.3389/fpsyg.2023.1065554

Willcoxson, L., & Prosser, M. (1996). Kolb's Learning Style Inventory (1985): Review and further study of validity and reliability. *British Journal of Educational Psychology*, *66*(2), 247-257.

https://doi.org/10.1111/j.2044-8279.1996.tb01118.x

Young, A., & Fry, J. D. (2008). Metacognitive awareness and academic achievement in college students. *Journal of the Scholarship of Teaching and Learning*, *8,* 1-10. https://doi.org/10.14434/josotl.v8i1.32